प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 20 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोक रक्षा और लोक–रंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहराया गया है। धर्म–शासन, राज–शासन, मत–शासन सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इसका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक–कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी। सब प्रकार के शासन में चाहे धर्म–शासन हो, चाहे राज–शासन, मनुष्य–जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है। दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज–शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म–शासन और मत–शासन चलते आ रहे हैं। इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी प्रायः हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक–वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं, उसी प्रकार धर्म–पवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी। शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शान्ति के लिए भी डराते और ललचाते आए हैं। मत–प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी काँपते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति–पूजा करते देख दूसरी जाति के मत–प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

1. भावों के संगठन का सदुपयोग कैसे किया गया है? 2

उत्तर : भावों का विशेष प्रकार का संगठन ही चरित्र का आधार है। लोक रक्षा और लोकरंजन की व्यवस्था इसी पर आधारित है। धर्म–शासन, राज–शासन, मत–शासन में भावों के संगठन से ही काम लिया गया है। लोक कल्याण जैसे व्यापक उद्देश्य की सिद्धि भी इन्हीं से सम्भव हुई है।

2. विभिन्न प्रकार के शासन कैसे चलते आ रहे हैं? 2

उत्तर : सभी प्रकार के शासन, जैसे–धर्म–शासन, राज–शासन या मत–शासन में मनुष्य के भय और लोभ से काम लिया गया है। दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाकर राज–शासन और नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाकर धर्म व मत–शासन चलते आ रहे हैं।

3. मनुष्य के भय और लालच का दुरुपयोग किस प्रकार हुआ है? 2

उत्तर : मनुष्य के भय और लालच का दुरुपयोग सदा से होता रहा है। शासक वर्ग अपनी रक्षा व स्वार्थसिद्धि के लिए लालच देते आए हैं, दूसरी ओर धर्म–प्रचारक अपनी प्रतिष्ठा के लिए लालच देते आए हैं। शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शांति के लिए तथा मत–प्रवर्तक द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार हेतु डराते आए हैं।

4. गद्यांश में से दो उपसर्ग निर्मित तथा दो प्रत्यय निर्मित शब्द छाँटकर लिखिए व मूल शब्द अलग कीजिए। 2

उत्तर :

	उपसर्ग	**मूल शब्द**
सदुपयोग	सद्	उपयोग
अनुग्रह	अनु	ग्रह

	मूल शब्द	**प्रत्यय**
प्रचारकों	प्रचारक	ओं
सिद्धि	सिद्ध	इ

5. गद्यांश में से दो सामासिक शब्द छाँटकर लिखिए। 1

उत्तर : स्वार्थसिद्धि, धर्म–शासन।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : भावों का खेल।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. ..... वर्णों का सार्थक समूह है और ..... इसका व्यावहारिक रूप। 1

उत्तर : शब्द, पद

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. शाम होते ही बच्चे मैदान में खेलने पहुँच गए। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जैसे ही शाम हुई वैसे ही बच्चे मैदान में खेलने पहुँच गए।
2. तुम इतने काबिल हो कि इस प्रतियोगिता में प्रथम आ सको। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : तुम काबिल हो और प्रतियोगिता में प्रथम आ सकते हो।
3. उसके जीवन में अनेक मुश्किलें आयीं किन्तु वह घबराया नहीं। (सरल वाक्य में)
उत्तर : जीवन में अनेक मुश्किलें आने पर भी वह घबराया नहीं।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
यथायोग्य, मृत्युदण्ड
उत्तर : यथायोग्य– योग्यता के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
मृत्युदण्ड– मृत्यु का दण्ड (तत्पुरुष समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
आठ अध्यायों का समूह, दूसरों पर उपकार करने वाला
उत्तर : आठ अध्यायों का समूह– अष्टाध्यायी (द्विगु समास)
दूसरों पर उपकार करने वाला– परोपकारी (बहुव्रीहि समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।$1 \times 4 = 4$

1. हमको वर्तमान में जीना चाहिए।
उत्तर : हमें वर्तमान में जीना चाहिए।
2. यह पुस्तक सबसे अधिक सर्वश्रेष्ठ है।
उत्तर : यह पुस्तक सर्वश्रेष्ठ है।
3. अनेकों पक्षी इस वृक्ष पर बैठे हैं।
उत्तर : अनेक पक्षी इस वृक्ष पर बैठे हैं।
4. मोदी जी ने समस्त विश्वभर की यात्रा कर ली है।
उत्तर : मोदी जी ने विश्वभर की यात्रा कर ली है।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. समस्या का हल सोचा, इस तरह ..... निकालने से केवल समय बर्बाद हो रहा है।
उत्तर : बाल की खाल (बाल की खाल निकालना)
2. रचित को जब अपने अंक पता चले तो वह .....।
उत्तर : फूला नहीं समाया (फूला न समाना)
3. जबसे उसकी नौकरी लगी है, वह ..... रही है।
उत्तर : हवा में उड़ (हवा में उड़ना)
4. चुनाव जीतते ही नेताजी ने ..... शुरू कर दिए।
उत्तर : रंग दिखाने (रंग दिखाना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर बताइए कि पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अन्तर था?
उत्तर : 26 जनवरी, 1931 के दिन गुलाम भारत में स्वतन्त्रता दिवस की पुनरावृत्ति मनाई जा रही थी, इसके लिए कोलकाता में विशेष प्रयास किए गए थे। एक ओर इस आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से कौंसिल ने नोटिस निकाला कि ठीक चार बजकर 24 मिनट पर मॉन्युमेंट के नीचे सभा होगी, झण्डा फहराया जाएगा, स्वतन्त्रता की प्रतिज्ञा ली जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। दूसरी ओर पुलिस कमिश्नर का नोटिस था कि यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जायेंगे। इस प्रकार दोनों नोटिस पूर्णतः विपरीत थे।
2. लेखक 'रवीन्द्र केलेकर' को टी–सेरेमनी के दौरान क्या महसूस हुआ?
उत्तर : लेखक रवीन्द्र केलेकर को जापान में अपने मित्र के साथ एक विशेष प्रकार की टी–सेरेमनी में जाने का अवसर मिला, जो वास्तव में ध्यान की एक प्रक्रिया थी। वहाँ के पूर्ण शांत व प्राकृतिक वातावरण में उन्हें महसूस हुआ कि विचारों का आवागमन बिल्कुल रुक गया है और वे वर्तमान को जी रहे हैं। पहली बार उन्होंने अनुभव किया कि वर्तमान ही एकमात्र सत्य है, हमें इसी में जीना चाहिए। अतीत और भविष्य दोनों मिथ्या हैं, उनमें विचरण करके हम अपना वर्तमान भी बर्बाद कर देते हैं।
3. लेखक 'निदा फाज़ली' की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा?
उत्तर : जहाँ लेखक का घर था वहाँ पहले जंगल था। बस्तियाँ बनने के कारण पक्षी बेघर हो गए। एक कबूतर के जोड़े ने उनके घर घोंसला बना लिया। लेखक की माँ के हाथ से कबूतर का एक अण्डा गिरकर टूट गया। उसी का प्रायश्चित करने के लिए उन्होंने पूरे दिन का रोज़ा रखा और ईश्वर से इस भूल के लिए माफी माँगती रही। इससे उनकी सहृदयता व संवेदनशीलता का परिचय मिलता है।
4. बड़े भाई के प्रति लेखक के मन में श्रद्धा कब उत्पन्न हुई?
उत्तर : लेखक को सही राह पर चलाना भाई साहब अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते थे। जब लेखक को अहसास हुआ कि बड़े भाई उन्हीं की खातिर अपनी इच्छाओं को दबाकर रखते हैं तब उनके मन में उनके प्रति श्रद्धा उत्पन्न हो गई।

8. निकोबार द्वीप समूह में प्रचलित दंत कथा का 80–100 शब्दों में वर्णन कीजिए। 5

उत्तर : निकोबार द्वीप समूह के विभक्त हो जाने को लेकर वहाँ एक दंत कथा प्रचलित है। निकोबारियों का विश्वास है कि प्राचीन काल में लिटिल अण्डमान व कार निकोबार दोनों द्वीप एक ही थे। उस द्वीप के दो गाँवों में विद्वेष गहरी जड़ें जमा चुका था, जिसके कारण दोनों गाँवों के बीच परस्पर विवाह पर प्रतिबंध था। संयोगवश उनमें से एक गाँव 'पासा' के युवक 'ततांरा' और 'लपाती' गाँव की युवती 'वामीरो' एक–दूसरे के प्रति आकर्षित होकर अटूट प्रेम सम्बन्ध में बँध गए। उनकी प्रेम कथा धीरे–धीरे गाँव में फैल गई व लोग उसका विरोध करने लगे। एक बार पशु पर्व के दौरान वामीरो की माँ ने समस्त गाँव वालों के सामने ततांरा को भला–बुरा कहा, अपमानित किया। क्रोधवश ततांरा ने अपनी रहस्यमयी तलवार से धरती के दो टुकड़े कर दिए और इस तरह वह द्वीप दो द्वीपों में बँट गया।

अथवा

पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर उस विशेष दिन का 80–100 शब्दों में वर्णन कीजिए जिसे कोलकाता के इतिहास में अपूर्व माना जाता है।

उत्तर : 26 जनवरी, 1930 को गुलाम भारत में पहली बार स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया था। 26 जनवरी, 1931 को उसकी पुनरावृत्ति मनाई जा रही थी और कोलकाता में इसके लिए विशेष प्रबन्ध किए गए थे। सभी बाज़ारों, मकानों को सजाया गया था, राष्ट्रीय झण्डे लगाए गए थे। सब ओर उत्साह और नवीनता दिखाई दे रही थी। जगह–जगह से लोग टोलियाँ बनाकर, जुलूस निकाल रहे थे, वन्दे मातरम् बोल रहे थे, झण्डा फहराने की कोशिश जारी थी। पुलिस के कड़े प्रबन्ध के बावजूद मैदानों में सभाएँ हो रही थीं तथा स्वतन्त्रता के घो–षणा पत्र पढ़े जा रहे थे। स्त्री–पुरुष एक साथ मिलकर पुलिस की लाठियों का सामना करते हुए आगे बढ़ रहे थे। सबके मिले–जुले प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि संगठित होकर, दृढ़ निश्चय के साथ प्रयास किए जायें, तो कोई भी कार्य असम्भव नहीं है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. मीरा के पद के आधार पर कृष्ण के रूप का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मीरा के हृदय में कृष्ण का मनमोहक रूप बसा हुआ है। मीरा कहती है कि कृष्ण मोरपंख अपने मुकुट में धारण करते हैं, उनके सांवले शरीर पर पीले वस्त्र सुशोभित होते हैं, गले में वन के फूलों की माला है तथा वृन्दावन की कुंज व गलियों में वे गाय चराते हुए, मधुर मुरली बजाते हुए नज़र आते हैं। उनका यह सांवला–सलोना, मनमोहक रूप मीरा को दीवाना बनाए हुए है और वे उनके दर्शन पाने के लिए अधीर हो रही हैं।

2. कम्पनी बाग में रखी तोप अपना क्या परिचय देती प्रतीत होती है?

उत्तर : कानपुर के कम्पनी बाग में ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा सन् 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भारतीय जांबाज़ों के खिलाफ इस्तेमाल की गई एक तोप धरोहर के रूप में रखी है। रोज़ हज़ारों पर्यटक वहाँ आते हैं, उन्हें अपना परिचय देते हुए मानो वह कह रही हो कि कभी मैं बहुत शक्तिशाली थी, बड़े–बड़े सूरमा मेरे सामने आने से डरते थे, मैंने अनेक वीर योद्धाओं को मौत के घाट उतारा है।

3. 'सहस्त्र दृग सुमन' किसे कहा गया है व इसका क्या अर्थ है?

उत्तर : 'सहस्त्र दृग सुमन' का अर्थ है 'हज़ारों पुष्प रूपी आँखें'। तालाब में पर्वतों की परछाई को देखकर कवि ने कल्पना की है कि मानो वे तालाब रूपी दर्पण में अपनी पुष्प रूपी हज़ारों आँखों से अपनी विशाल छवि को निहार रहे हों। ऐसा कहकर कवि ने पर्वतों का मानवीकरण किया है तथा सम्पूर्ण दृश्य को जीवंत बना दिया है।

4. कविता 'आत्मत्राण' में कवि ईश्वर से क्या चाहते हैं?

उत्तर : कविता 'आत्मत्राण' में कवि प्रभु से निर्भयता, साहस, धैर्य, आत्मविश्वास की मांग कर रहे हैं ताकि वे जीवन की सभी परिस्थितियों का सामना स्वयं कर सकें। यह एक प्रार्थना गीत है किन्तु सामान्य प्रार्थनाओं से सर्वथा भिन्न है। इसमें किसी प्रकार के भौतिक सुख की माँग नहीं की गई है।

10. 'कर चले हम फिदा' एक मर्मस्पर्शी देशभक्ति गीत है। 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए। 5

उत्तर : प्रत्येक जीव को अपनी जान बहुत प्यारी होती है। कोई भी अपने जीवन को खोना नहीं चाहता, यहाँ तक कि एक असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति भी अपनी सलामती के लिए दुआ माँगता रहता है, किन्तु सैनिकों की बात निराली है। वे अपने देश व देशवासियों की सुरक्षा की खातिर अपनी जान को खतरे में डाल देते हैं। अन्तिम साँस तक सीना तानकर खड़े रहते हैं कि कहीं उनके देश की आन, बान, शान को आँच न आ जाए। उसी सैनिक की भावनाओं को कवि 'कैफ़ी आज़मी' ने अपनी कविता 'कर चले हम फिदा' में मार्मिक अभिव्यक्ति दी है। यह एक ऐसा देशभक्ति गीत है जिसे सुनने पर हर बार आँखें नम हो जाती हैं। एक सच्चा सैनिक अपना सिर कटा देता है, लेकिन हिमालय का सिर अर्थात् देश का गौरव झुकने नहीं देता। जब तक उसकी साँसें चलती हैं, उसके कदम आगे ही बढ़ते रहते हैं। देश की हिफ़ाजत में बलिदान होते हुए भी उसे केवल यही चिन्ता सताती है कि उसके बाद देश की रक्षा कौन करेगा? अतः वह हमें 'साथी' कहते हुए देश की रक्षा के लिए तैयार रहने को प्रोत्साहित कर रहा है।

अथवा

'मनुष्यता' कविता का संदेश 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि 'मैथिलीशरण गुप्त' ने हमें मनुष्य जीवन की पहचान व उसे सफल बनाने के साधनों से परिचित कराया है। कवि का मानना है कि केवल मनुष्य के रूप में जन्म लेने से हम मनुष्य नहीं कहला सकते, अपितु हमारे अन्दर वे मानवीय गुण होने चाहिए जो हमें अन्य

जीवों से भिन्न व श्रेष्ठ बनाते हैं। मनुष्य जीवन को सफल बनाने के लिए हमारे व्यक्तित्व में दानवीरता, सहनशीलता व निराभिमान जैसे मानवीय मूल्यों का होना बेहद ज़रूरी है। जब हम अपने में व दूसरों में कोई भेद नहीं समझते, तभी हम सबके हितार्थ कर्म कर पाते हैं। सहनशीलता व सहानुभूति का गुण हमें सदाचारी बनाता है, धैर्यशील बनाता है। अहंकार एक ऐसा दुर्गुण है जो हमारी समस्त अच्छाइयों को ढक सकता है। अतः हमें कभी भूलकर भी किसी प्रकार का अहं भाव हृदय में आने नहीं देना चाहिए। इस प्रकार इन मानवीय गुणों को धारण करते हुए हम अपने मनुष्य होने को सार्थक सिद्ध कर सकते हैं।

11.

1. हरिहर काका के मामले को लेकर गाँव वालों की क्या प्रतिक्रिया थी? 60–70 शब्दों में समझाइये। 3

उत्तर : हरिहर काका की ज़मीन पर उनके भाईयों और महन्त दोनों की नज़र थी। दोनों ही पक्षों ने बहलाने–फुसलाने की कोशिश की और डराया–धमकाया भी, किन्तु हरिहर काका ने अपनी ज़मीन दोनों में से किसी के नाम नहीं की। यह खबर पूरे गाँव में दावाग्नि की तरह फैल गई। सभी लोग अपनी राय देते, अपने अनुमान लगाते फिर रहे थे। कुल मिलाकर पूरा गाँव मानो दो श्रेणियों में बँट गया था। एक ओर वे लोग थे जो प्रगतिशील विचारधारा रखते थे और उनके अनुसार हरिहर को अपनी ज़मीन अपने भाइयों के नाम ही करनी चाहिए, उस ज़मीन पर परिवार वालों का ही हक बनता है। दूसरी श्रेणी में धार्मिक प्रवृत्ति वाले लोग थे, जिनका मानना था कि ठाकुरबारी के नाम ज़मीन करके हरिहर को पुण्य कमाना चाहिए। इससे उसकी अगली पुश्तें भी तर जायेंगी। किन्तु हरिहर ने तो जी–ते–जी अपनी ज़मीन किसी के भी नाम न करने का निर्णय ले लिया था।

2. इफ्फन टोपी की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा कैसे था? 60–70 शब्दों में समझाइये। 3

उत्तर : पाठ 'टोपी शुक्ला' का मुख्य पात्र सम्भवतः टोपी शुक्ला है, तभी पाठ का शीर्षक उसी के नाम से रखा गया है, किन्तु पाठ में टोपी और उसके दोस्त इफ्फन का लगभग बराबर ज़िक्र किया गया है। कहानी के प्रारम्भ में लेखक ने बार–बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि इफ्फन टोपी की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, अटूट हिस्सा है। लेखक ने इस बात पर बल देकर एक ओर यह सिद्ध करने की कोशिश की है कि घनिष्ठ मित्रता में जाति–पाँति कभी बाधक नहीं बन सकते, दूसरी ओर इफ्फन के साथ रहने या न रहने पर टोपी के जीवन पर, उसके व्यक्तित्व पर जो प्रभाव पड़ा है, उससे भी यही सिद्ध होता है कि वास्तव में इफ्फन टोपी के जीवन में बहुत महत्त्व रखता था। मेरे विचार से सच्ची मित्रता वही है जहाँ जाति–पाँति, ऊँच–नीच, अमीरी–गरीबी बीच में न आए, विचार परस्पर मेल खाते हों और एक–दूसरे के साथ समय बिताना अच्छा लगता हो। अपने मन की सभी बातें निस्संकोच जिसे बताई जा सकती हों, वही सच्चा मित्र कहला सकता है और इस दृष्टि से टोपी और इफ्फन सच्चे मित्र ही थे।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **हमारे देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव**
   ✲ भारतीय संस्कृति ✲ विदेशी प्रभाव ✲ युवा वर्ग पर प्रभाव।
2. **कंप्यूटर**
   ✲ उपयोगी वैज्ञानिक आविष्कार ✲ विविध क्षेत्रों में कंप्यूटर ✲ लाभ–हानि।
3. **देशाटन।**
   ✲ देशाटन क्या है ✲ उपयोगिता और साधन ✲ प्रोत्साहन के उपाय।

उत्तर :

1. हमारे देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

आज समस्त विश्व 'वसुधैव कुटुंबकम' बन चुका है। ऐसी स्थिति में एक दूसरे की संस्कृति का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। भारतीय संस्कृति की धूम विदेशों में है तो भारत पर भी विदेशी प्रभाव सर चढ़ कर बोलता दिखाई देता है। भारत की शिक्षा प्रणाली पूर्ण रूप से विदेशी शिक्षा नीति पर आधारित है, यहाँ तक कि भारतीय संविधान पर भी इसका गहरा असर देखा जा सकता है। हमारी भाषा को भी विदेशी भाषा का गुलाम बनाकर रखा गया है। शहरों में तो यह स्थिति और भी हास्यास्पद रूप में दिखती है जहाँ युवा वर्ग हिन्दी और इंगलिश को मिला कर 'हिंगलिश' बोलते दिखाई देते हैं। हमारी वेशभूषा भी दिनों–दिन भारतीयता खोती जा रही है। अब तो त्योहारों के अवसर पर ही भारतीय पोशाकों की झलक दिखती है। हमारी जीवन शैली अब विदेशी जीवन शैली के नक्शे कदम पर चलती दिखाई देती है।

2. कंप्यूटर

वर्तमान युग विज्ञान का युग है। वर्तमान समय में कंप्यूटर का स्थान विज्ञान के वरदानों में सर्वोपरि बनता चला जा रहा है। आज चारों ओर कंप्यूटर की चर्चा होती है। कंप्यूटर आज के युग की जरूरत बन गया है। कंप्यूटर की विभिन्न क्षेत्रों में विशेष भूमिका है। यह हमारे सभी कामों में सहायता करता है। रेलवे, भवनों, मोटर, गाड़ियों आदि के डिजाइन तैयार करने में कंप्यूटर ग्राफिक का व्यापक प्रयोग हो रहा है। आज अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में, औद्योगिक क्षेत्र में, युद्ध के क्षेत्र में तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रयोग होता है। मनोरंजन के क्षेत्र में भी कंप्यूटर का योगदान कम नहीं है। बच्चों को भी तरह–तरह के खेल कंप्यूटर स्क्रीन पर खेलते देखा जा सकता है। बच्चे व युवा अपनी शिक्षा संबंधी सूचनाएँ भी कंप्यूटर पर इंटरनेट के जरिए प्राप्त कर सकते है।

3. देशाटन

"देश गाँव शहरों कस्बों से अनुभव का ही पृष्ठ भरूँ
दिल में यही तमन्ना है सारी दुनिया की सैर करूँ।"

देशाटन करना मानव का आदिम शौक है। मानव विकास भी इसी से हुआ है। इसका अर्थ होता है चारों ओर आनन्द के लिए घूमना। वह विभिन्न स्थलों के लोगों से मिलता है, उनकी भाषा–संस्कृति, वेश–भूषा, रीति–रिवाज और जीवन शैली का परिचय प्राप्त करता है। इससे उसकी जिज्ञासा तो शांत होती ही है, ज्ञान और अनुभव में भी वृद्धि होती है। आज देशाटन ने एक उद्योग का रूप धारण कर लिया है। देश–विदेश के अनेक ऐसे स्थान हैं जो लाखों पर्यटकों को अपनी ओर खिंचते हैं। व्यक्ति प्रसिद्ध स्थलों, पहाड़ों, समुद्रों, नदियों आदि को देखकर विशिष्ट आनन्द प्राप्त करता है। वह विश्व की अनेक संस्कृतियों की खुबियों से परिचित होता है। "वसुधैव कुटुम्बकम्" की परिकल्पना भी देशाटन से साकार होती दिखती है। आज देशाटन के लिए इंटरनेट पर ही टिकट और होटल का कमरा आरक्षित करवाया जा सकता है। वर्तमान समय में सरकार द्वारा और विभिन्न कंपनियों के द्वारा देशाटन अर्थात् पर्यटन के लिए काफी सुविधाएँ और टिकट दरों में छूट भी दी जाती है जिसका सभी फायदा उठाकर पर्यटन का आनंद ले सकते हैं। भारतीय पर्यटन विभाग 'अतुल्य भारत' नामक एक अभियान चलाता है जिसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन को विश्व मंच पर पदोन्नत करना है।

13. बिजली संकट से ग्रस्त नगरवासियों की शिकायत बिजली विभाग के अध्यक्ष तक पहुँचाने हेतु पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
करोलबाग बिजली विभाग
दिल्ली।
दिनांक : 22 फरवरी, 2019
विषय– बिजली संकट की शिकायत हेतु।
आदरणीय महोदय,

मैं दिल्ली के करोलबाग क्षेत्र का निवासी हूँ तथा अपने क्षेत्र का सचिव होने के नाते सभी निवासियों को बिजली संकट से होने वाली परेशानियों से आपकों परिचित कराना चाहता हूँ।

महोदय, हमारे क्षेत्र में गत दो माह से बिजली की आपूर्ति बहुत ही कम है। घर के छोटे–बड़े सभी काम आजकल बिजली के उपकरणों की मदद से होते हैं, तो आप समझ सकते हैं कि बिजली न होने से दैनिक कार्यों में कितनी रुकावट व परेशानी हो रही होगी।

आपसे अनुरोध है कि आप जल्द ही बिजली आपूर्ति को सामान्य करने के लिए उचित कदम उठायें।
धन्यवाद।
भवदीय,
राहुल शर्मा

अथवा

विद्यालय की प्रधानाचार्या को पुस्तकालय में पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 80–100 शब्दों में प्रार्थना–पत्र लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्या महोदया,
श्री महावीर विद्यालय,
नई दिल्ली
विषय–पुस्तकालय में पुस्तकों का अभाव।
आदरणीय महोदया,

मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं की छात्रा आपसे विनती करना चाहती हूँ कि विद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध करायें। यह खुशी की बात है कि हमारे विद्यालय में छात्रों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है, किन्तु उस अनुपात में पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या में कोई सुधार नहीं आया है। जब कभी हमें साहित्य पढ़ने की इच्छा होती है तो वहाँ नई साहित्यिक पुस्तकें नहीं मिलतीं, परीक्षा के दिनों में पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सहायक पुस्तकें सबको नहीं मिल पातीं, ऐसे में मुझ जैसे साधारण परिवार के छात्र अच्छी तैयारी नहीं कर पाते व इसका प्रभाव हमारे व विद्यालय के परीक्षा परिणाम पर पड़ता है।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि शीघ्रातिशीघ्र पर्याप्त मात्रा में पुस्तकों के नवीन संस्करण उपलब्ध करायें। हम सभी छात्र/छात्रा आपके आभारी होंगे।
धन्यवाद।
आपकी आज्ञाकारी छात्रा,
सुनीता माथुर
दिनांक– 26 अगस्त, 2019

14. आपके विद्यालय द्वारा एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। उसका विवरण देते हुए, विद्यालय के प्रबन्धक की ओर से 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

सरस्वती विद्यालय

सूचना

शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2019

विद्यालय द्वारा कक्षा छठी से ग्यारहवीं तक के छात्रों के लिए नवंबर 3 से 10 तक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा रेल से होगी, नैनीताल व आस-पास के दर्शनीय स्थलों पर जाया जाएगा। उत्तम भोजन व आवास की उचित व्यवस्था होगी। कुल शुल्क मात्र 5000/- प्रति छात्र है। इच्छुक छात्र 22 अक्टूबर तक हस्ताक्षरकर्ता को अपने नाम दे सकते हैं।

धन्यवाद।

विद्यालय प्रबन्धक

अथवा

आपकी कॉलोनी में मरम्मत का कार्य होने जा रहा है। सचिव होने के नाते सभी सदस्यों को इसकी जानकारी देने व कार्य में सहयोग देने का अनुरोध करते हुए 40-50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

मेलजोल सोसायटी

सूचना

मरम्मत के कार्य में सहयोग की अपील

दिनांक : 31 अगस्त, 2019

सोसायटी के सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि मरम्मत कार्य प्रारम्भ हो गया है जो लगभग एक माह तक जारी रहेगा। सभी को कुछ परेशानियाँ उठानी पड़ सकती हैं। कार्य को शांतिपूर्वक तथा समय पर सम्पन्न होने देने में आपका सहयोग अपेक्षित है।

धन्यवाद।

सुशील कुमार

सोसायटी सचिव

15. बोर्ड की परीक्षा का परिणाम आने वाला है। इस सम्बन्ध में दो मित्रों की बातचीत संवाद के रूप में लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

अजय- राजेश, तुम्हें पता है हमारा परीक्षा परिणाम 25 अप्रेल को घोषित हो जाएगा। मुझे तो बहुत घबराहट हो रही है।

राजेश- हाँ दोस्त, डर तो मुझे भी लग रहा है, लेकिन अब डरने से क्या होगा, जो हमने किया है, उसी का परिणाम तो आएगा।

अजय- वह तो ठीक है, यह परिणाम सन्तोषजनक नहीं हुआ तो क्या होगा? मेहनत तो हमने पूरी की थी, लेकिन किस्मत साथ देगी?

राजेश- किस्मत तो बनाने से बनती है दोस्त। हमने सच्ची लगन व मेहनत से परीक्षाएँ दी हैं, तो बस घबराओ मत, सकारात्मक सोचो, सब ठीक होगा। अंकों से ज्यादा ज़रूरी है ज्ञान, जो हमने प्राप्त किया है।

अजय- ठीक कहते हो। अंकों के चक्रव्यूह में फँसकर हम लोग शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ही भूल गए हैं।

अथवा

भारी कर चुकाने से परेशान दो नागरिकों के वार्तालाप को संवाद के रूप में लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

विनीत- अरे अक्षय, तुम अब आ रहे हो दफ्तर से? आज देर हो गई क्या? कुछ परेशान भी लग रहे हो?

अक्षय- मैं तो रोज ही लगभग इसी समय आता हूँ। जहाँ तक परेशानी की बात है, उसका कारण है 'भारी कर', जो हमें हर साल चुकाना पड़ता है और बदले में कुछ सुविधाएँ भी नहीं मिलतीं।

विनीत- देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा फर्ज़ है कर अदा करना और सरकार का काम है उस एकत्रित धन को देश के विकास में लगाना।

अक्षय- लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हम तो ईमानदारी से कर अदा करते हैं, फिर टूटी-फूटी सड़कें, हर तरफ महँगाई का बोझ भी सहते हैं। यह तो दोहरी मार हो गई।

विनीत- निराश मत हो भाई, देश की इतनी जनता गरीबी रेखा से नीचे है, उनकी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी तो हमारे द्वारा चुकाए गए कर से ही होती है।

16. स्कूल के हल्के व मज़बूत बस्तों की कम्पनी के लिए एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

स्टाईल बैग्स

स्कूल के हल्के व मजबूत बस्ते

- विभिन्न रंगों व आकारों में उपलब्ध
- मजबूती ऐसी की सालों साल चलें
- एक बस्ते के साथ पानी की बोतल मुफ्त

सम्पर्क करें-

शॉप नं. 15, सदर बाजार, दिल्ली

अथवा

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को नृत्य, संगीत, कला-शिल्प आदि का प्रशिक्षण देने वाले केन्द्र 'निखरो और चमको' के लिए आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

निखरो और चमको

छुट्टियाँ ऐसे बिताएँ, समय को यादगार बनाएँ

अपनी रुचि का विषय चुनें, मनचाहे कलाकार बनें

- नृत्य- 4 वर्ष से 16 वर्ष के लिए
- संगीत- 4 वर्ष से 16 वर्ष के लिए
- चित्रकला- 4 वर्ष से 16 वर्ष के लिए
- शिल्प कला- 6 वर्ष से 16 वर्ष के लिए

सम्पर्क

बाल निकेतन पब्लिक स्कूल

साकेत विहार, दिल्ली